साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 314 | जौनपुर, शनिवार, 10 अगस्त 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस से पहले किया हर घर तिरंगा अभियान का आगाज

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस 2024 से पहले खास अभियान की शुरुआत की है। भारत अपने 78वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने की तैयारी में है, ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को देश के नागरिकों से अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर श्हर घर तिरंगाश अभियान को एक जन आंदोलन बनाने का आग्रह किया। इस अपील के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स प्रोफाइल की डिस्प्ले पिक्चर को भी बदल दिया है। सोशल मीडिया पर अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदलकर तिरंगा लगाया है। उन्होंने जनता से भी प्रोफाइल पिक्चर पर तिरंगा लगाने की अपील की है। इसके अलावा उन्होंने एक लिंक भी साझा किया है। इसके जरिए लोगों से हर घर तिरंगा अभियान के जरिए जुड़ने की अपील की है। जनता से राष्ट्रीय ध्वज के साथ अपनी सेल्फी को साझा करने का अनुरोध किया है। एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, इस साल स्वतंत्रता दिवस के करीब आते ही, आइए हम फिर से रुहरघरतिरंगा को एक यादगार जन आंदोलन बनाएं। मैं अपनी प्रोफाइल तस्वीर बदल रहा हूं और मैं आप सभी से भी ऐसा करके हमारे तिरंगे का जश्न मनाने में मेरा साथ देने का आग्रह करता हूं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 11 अगस्त से पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान शुरू करने जा रही है। केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी 11 अगस्त से 14 अगस्त तक तिरंगा यात्रा भी निकालेगी। इस दौरान हर घर, दुकान और दफ्तर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा। पीएम मोदी ने सभी भारतीयों से स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए श्हर घर तिरंगाश अभियान में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज के साथ सेल्फी लेने और उन्हें सोशल मीडिया पर साझा करने के बढ़ते चलन पर प्रकाश डाला। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि घरों, कार्यालयों और दुकानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए। हर घर तिरंगा एक अभियान है जो आजादी का अमृत महोत्सव का हिस्सा है। इसे 2021 में लोगों को तिरंगा घर लाने और भारत की आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में इसे फहराने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया था। इस पहल के पीछे का विचार लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाना और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। आजादी का अमृत महोत्सव भारत सरकार की एक पहल है, जिसके तहत आजादी के 75 साल पूरे होने और अपने लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास का जश्न मनाया जाता

सीएम ने काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह का किया शुभारंभ

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की वीर भूमि काकोरी में शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्व के अंतर्गत वीरों के नमन कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम का उद्घाटन करने हुए डाक अनावरण व संस्कृत विभाग द्वारा निर्मित पुस्तिका का विमोचन किया और बच्चों के साथ काकोरी शहीद मंदिर के बाहर सेल्फी भी ली। सीएम योगी ने इस अवसर पर कहा कि अब भारत का समय आ गया है, दुनिया की कोई शक्ति हमें महाशक्ति बनने से रोक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा जो पंच प्रण दिलाए गए हैं, उनको देश के हर नागरिक को आत्मसात करना होगा। यही हमारे अमर बलिदानियों और शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अगर हम इन प्रण को आत्मसात करके अपने कार्यों को पूरा करते हैं तो कोई कारण नहीं है कि हमारा देश विश्वगुरु और दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति न बने। सीएम योगी ने काकोरी ट्रेन एक्शन को याद करते हुए कहा कि देश से बाहर जा रहे राजस्व को देश सेवा में प्रयुक्त करने की मंशा से जो कार्य पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह जैसे वीर सपूतों ने किया था।

भारतीय हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने पर खेल मंत्री मांडविया ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक मैच में स्पेन को 2–1 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यह लगातार दूसरा ओलंपिक मेडल जीता है। इससे पहले भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में जर्मनी को मात देकर कांस्य पदक जीता था।

यह ओलंपिक में भारतीय हॉकी के लिए 13वां मेडल है। इस मैच में भारत की जीत को लेकर प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने पर केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, ष्मैं हॉकी टीम की कांस्य पदक जीत के लिए सभी को बधाई देता हूं और धन्यवाद व्यक्त करता हूं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने पर केंद्रीय रेलवे एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का कहना है, ष्मैं हॉकी टीम की कांस्य पदक जीत के लिए सभी को बधाई देता हूं। इस बार पंजाब के ज्यादा खिलाड़ी थे। हम गोल्ड मेडल जीतेंगे। पंजाब और देश की तरफ से खिलाड़ियों को ढेर सारी बधाइयां।

भारतीय हॉकी टीम का पेरिस ओलंपिक का अभियान अच्छा रहा। हॉकी टीम ने ओलंपिक में अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 3–2 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की थी। इसके अगले मैच में अर्जेंटीना के साथ भारत का मैच 1–1 से ड्रा हुआ था। इसके अगले ही दिन 30 जुलाई को भारत ने आयरलैंड को 2–0 से हराया।

17 महीने बाद तिहाड़ जेल से रिहा हुए सिसोदिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया तिहाड़ जेल से बाहर आए। दिल्ली आबकारी नीति मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज उन्हें जमानत दे दी। जेल से रिहा होने के बाद उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। मनीष सिसोदिया ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का दिल से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि संविधान की ताकत की वजह से जमानत मिली है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि निर्दोष लोगों को संविधान बचाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसी संविधान की ताकत की बदौलत अरविंद केजरीवाल भी जेल से बाहर आएंगे। उन्होंने समर्थकों के बीच जबरदस्त तरीके से नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि जेल के तले टूटेंगे अरविंद केजरीवाल भी छूटेंगे। आप नेता ने कहा कि सुबह जब से ये आदेश आया है, मेरा रोम–रोम बाबा साहब का ऋणी महसूस कर रहा है। समझ नहीं आ रहा कि बाबा साहब का ये ऋण कैसे चुकाऊँगा। आप नेता ने कहा कि सुबह जब से ये आदेश आया है, मेरा रोम–रोम बाबा साहब का ऋणी महसूस कर रहा है। समझ नहीं आ रहा कि बाबा साहब का ये ऋण कैसे चुकाऊँगा। उन्होंने कहा कि मैं आपके प्यार, ईश्वर के आशीर्वाद और सत्य की शक्ति के कारण जेल से बाहर आया हूँ, और सबसे बड़ी बात, बाबासाहेब का सपना है कि अगर कोई तानाशाह सरकार सत्ता में आती है और तानाशाही कानून बनाकर विपक्षी नेताओं को सलाखों के पीछे डालती है, तो इस देश का संविधान उनकी रक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि संविधान की इसी शक्ति से अरविंद केजरीवाल भी जेल से बाहर आएंगे। इससे पहले आज ही उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली की आबकारी नीतिमें कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामलों में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया को जमानत दी और। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि सिसोदिया 17 माह से हिरासत में हैं और अभी तक मामले की सुनवाई शुरू नहीं हुई है जिससे वह शीघ्र सुनवाई के अधिकार से वंचित हुए हैं। पीठ ने कहा कि इन मामलों में मनीष सिसोदिया को जमानत के लिए निचली अदालत भेजना ठीक नहीं होगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि वक्त आ गया है कि निचली अदालतें और उच्च न्यायालय इस बात को समझें कि जमानत नियम है और जेल अपवाद।

नीतीश ने गंगा नदी के बढ़े जलस्तर पर अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना और अन्य स्थानों पर गंगा नदी के बढ़े जलस्तर का निरीक्षण किया और अधिकारियों को अलर्ट रहने एवं सारी तैयारी पूर्ण रखने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पटना में जेपी गंगा पथ कंगन घाट, काली घाट, गांधी घाट एवं कृष्णा घाट पर रूककर गंगा नदी के आसपास के इलाकों की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गंगा नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में बढ़ते जलस्तर को ध्यान में रखते हुये पूरी तरह अलर्ट रहें और सारी तैयारी पूर्ण रखें। अशोक राजपथ को जेपी गंगा पथ से मिलानेवाले कृष्णा घाट पर निर्माणाधीन पहुंच पथ की भी मुख्यमंत्री ने जानकारी ली और तेजी से निर्माण पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त– सह–जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चौतन्य प्रसाद, पटना के जिलाधिकारी चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा सहित अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे।

अधिकारियों के मुताबिक, गंगा नदी पटना जिले के गांधी घाट और हाथीदह तथा आसपास के इलाकों में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। उन्होंने बताया कि भागलपुर जिले के कुछ इलाकों में भी गंगा नदी खतरे के निशान को छू गई है।

न्यूज डायरी

ड्यूटी से गायब 15 चिकित्साधिकारी होंगे बर्खास्त

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में लंबे समय से ड्यूटी न करने वाले 15 चिकित्साधिकारियों के खिलाफ बर्खास्तगी की कार्रवाई होगी। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा को निर्देश दिया है। इसी तरह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अड्डा बाजार (महाराजगंज) में कार्यरत डॉ. अरशद जमाल की लगातार अनुपस्थिति चल रहे हैं। इन्हें पूर्व में निलंबित किया गया। अब मंडलीय अपर निदेशक की जांच रिपोर्ट के बाद उन्हें भी बर्खास्त करने का आदेश दिया गया है।

उपचुनाव के लिए अखिलेश ने तैयार किया मास्टर प्लान

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। ऐसे में समाजवादी पार्टी (सपा) अपने उम्मीदवारों के चयन को लेकर अपना प्लान तैयार कर लिया है। ध्यान केंद्रित करती दिख रही है। पार्टी अपनी रणनीति में स्थिरता और निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए पहली और दूसरी पंक्ति के नेताओं का मिश्रण तैयार कर रही है। सूत्रों से पता चला है कि सपा कई सीटों पर मौजूदा सांसदों के रिश्तेदारों को मैदान में उतारने की मंशा जता रही है।

जम्मू–कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध – मुख्य निर्वाचन आयुक्त

जम्मू, एजेसी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शुक्रवार को कहा कि निर्वाचन आयोग जम्मू–कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू–कश्मीर में सभी दल विधानसभा चुनाव कराने का "पुरजोर समर्थन" कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "हम जम्मू–कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं और किसी को भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, "जम्मू–कश्मीर में सभी राजनीतिक दल जल्द से जल्द विधानसभा चुनाव कराने का पुरजोर समर्थन कर रहे हैं। कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव के लिए प्रशासनिक व सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा के सिलसिले में तीन दिन की जम्मू–कश्मीर यात्रा पर है। प्रतिनिधिमंडल में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एस.एस संधू भी शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को यात्रा के दूसरे दिन प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू– कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लो और केंद्र शासित प्रदेश के पुलिस प्रमुख आर. आर. स्वैन से मुलाकात की। जम्मू–कश्मीर में 2014 से विधानसभा चुनाव नहीं हुए हैं।

भारत और बांग्लादेश सीमा की निगरानी के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन

नई दिल्ली, एजेसी। बांग्लादेश के हालात को देखते हुए मोदी सरकार ने पड़ोसी देश से लगती अपनी सभी सीमाओं पर सुरक्षा पहले से ही कड़ी कर दी थी और अब सरहद के हालात पर निगरानी रखने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन भी कर दिया गया है। भारत–बांग्लादेश सीमा पर वर्तमान स्थिति की निगरानी के लिए जिस समिति का गठन किया गया है वह बांग्लादेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों और अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बांग्लादेश के समकक्ष अधिकारियों के साथ संपर्क बनाए रखेगी। हम आपको बता दें कि अपर महानिदेशक (एडीजी) सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पूर्वी कमांड इस समिति के अध्यक्ष होंगे। समिति के अन्य सदस्यों में महानिरीक्षक (आईजी) बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय दक्षिण बंगाल, महानिरीक्षक (आईजी) बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय त्रिपुरा, सदस्य (योजना और विकास) भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण और सचिव शामिल हैं। हम आपको बता दें कि इस समिति का गठन ऐसे समय किया गया है जब भारत–बांग्लादेश सीमा पर बड़ी संख्या में लोग पहुँच रहे हैं। इन लोगों में बांग्लादेश के हालात से त्रस्त वहां की जनता के अलावा वहां रह रहे भारतीय नागरिक भी हैं। ऐसे में बीएसएफ के लिए कार्य काफी चुनौतीपूर्ण हो गया है। हाल ही में असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने कहा था कि सभी भारतीय पासपोर्ट धारकों को राज्य में निर्दिष्ट प्रवेश बिंदु के माध्यम से संकटग्रस्त बांग्लादेश से लौटने की अनुमति दी जाएगी, जबकि अन्य को प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा था कि असम पुलिस और सीमा सुरक्षा बल गैर–भारतीयों के देश में अवैध रूप से प्रवेश के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा था, "हमारी ओर से स्पष्ट निर्देश हैं कि हम किसी को भी असम में अवैध रूप से प्रवेश नहीं करने देंगे। उन्होंने कहा था कि निर्देश जारी किया गया है कि बांग्लादेश में सभी भारतीय पासपोर्ट धारकों को वापस लौटने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा, हालांकि, किसी अन्य को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी और यदि कोई भी (अवैध रूप से) प्रवेश करने का प्रयास करेगा तो हम कानून के अनुसार कार्रवाई करेंगे। हम आपको यह भी बता दें कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पत्थर इकट्ठा करने के लिए मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में घुसने के बांग्लादेशी नागरिकों के एक समूह के प्रयास को विफल कर दिया है।

उपवर्गीकरण के फैसले को निष्प्रभावी करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाए सरकार - मायावती

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने उच्चतम न्यायालय द्वारा राज्यों को अनुसूचित जाति और जनजातियों के आरक्षण में उप–वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार दिये जाने के फैसले को संविधान संशोधन के जरिये निष्प्रभावी करने पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार से संसद के इसी सत्र में संविधान संशोधन विधेयक लाने की मांग की। मायावती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आज मिलने गये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एससी–एसटी (अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति) सांसदों को यह आश्वासन देना कि कोटे में क्रीमी लेयर को लागू नहीं करने तथा एससी–एसटी के आरक्षण में कोई उप–वर्गीकरण भी नहीं करने की उनकी मांगों पर गौर किया जाएगा, यह उचित है और ऐसा किए जाने पर इसका स्वागत।" भाजपा सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और एससी व एसटी के बीच क्रीमी लेयर की पहचान करने पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में यह भी कहा, "लेकिन अच्छा होता कि उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ के समक्ष बहस में केन्द्र सरकार की तरफ से एटार्नी जनरल द्वारा आरक्षण को लेकर एससी व एसटी में क्रीमी लेयर लागू करना तथा इनका उप–वर्गीकरण किये जाने के पक्ष में दलील नहीं रखी गयी होती, तो शायद यह निर्णय नहीं आता।" बसपा प्रमुख ने अपने सिलसिलेवार पोस्ट में आशंका जाहिर करते हुए कहा, "उच्चतम न्यायालय के एक अगस्त 2024 के निर्णय को संविधान संशोधन के जरिए जब तक निष्प्रभावी नहीं किया जाता तब तक राज्य सरकारें अपनी राजनीति के तहत वहां इस निर्णय का इस्तेमाल करके एससीएसटी वर्ग का उप–वर्गीकरण व क्रीमी लेयर को लागू कर सकती हैं। अतः संविधान संशोधन बिल इसी सत्र में लाया जाए। उच्चतम न्यायालय ने एक अगस्त को एक ऐतिहासिक फैसले में कहा।

मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ किरेन रिजिजू ने की बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने आज मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ बैठक की। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला भी मौजूद थे। यह बैठक लोकसभा में 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024' पेश होने और विपक्ष के विरोध के बीच हुई। फिलहाल लोकसभा ने वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार करने के लिए संसद की संयुक्त समिति के गठन की खातिर सदन के 21 सदस्यों को नामित करने तथा राज्यसभा से 10 सदस्यों को नामित करने की अनुशंसा संबंधी प्रस्ताव को शुक्रवार को मंजूरी दी। प्रवक्ता शहजाद पूनावाला भी मौजूद रहे। बैठक के बाद अखिल भारतीय सूफी सज्जादानशीन परिषद (एआईएसएससी) के संस्थापक अध्यक्ष सैयद नसरुद्दीन चिश्ती ने बताया कि विभिन्न राज्यों से विभिन्न दरगाहों के सज्जादानशीन 11–12 लोगों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री (किरेन रिजिजू) से मुलाकात की और उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने आगे कहा कि यह अखिल भारतीय सूफी सज्जादानशीन परिषद और विभिन्न अन्य संगठनों की लंबे समय से प्रतीक्षित मांग थी। हम संसद के समक्ष वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश करने के भारत सरकार के फैसले की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ धाराएं बताई गई हैं, उनकी जितनी सराहना की जाए उतनी कम है। इससे पारदर्शिता आएगी। धन का दुरुपयोग रुकेगा। मुझे लगता है कि सभी की शंकाओं का समाधान होने के बाद एक बहुत अच्छा विधेयक सामने आएगा।

संपादकीय

नशे के खिलाफ जंग

भारत में सिगरेट और बीड़ी पीने का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है। इनके पैकटों पर वैधानिक चेतावनी देने का भी कोई असर नहीं हुआ। अब सूखा नशा लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। यह एक ऐसी बुराई है जो व्यक्ति की मानसिक और शारीरिक स्थिति को पूरी तरह से बिगाड़ देती है। यह आदतें न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि समाज के ताने बाने पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। विभिन्न स्रोतों और सर्वे के नतीजे बताते हैं कि राजधानी दिल्ली में ही कम से कम 10 से 20 फीसदी युवा नशे की चीजों के आदी हो चुके हैं। सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध के बावजूद इसको रोकने के लिए अभी तक की गई कोशिशें नाकाम साबित हुई हैं। नशे की गिरफ्त में आकर लोग अक्सर अपनी जिम्मेदारियों को लापरवाही पूर्वक नजरअंदाज कर देते हैं। इसके प्रभाव से बचने के लिए उचित शिक्षा और सक्रिय जागरूकता की परम आवश्यकता है। साथ ही नशे के खिलाफ ठोस आन्दोलन प्रयास करने की भी जरूरत है। केवल व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास ही इस समस्या को समाप्त कर सकते हैं। अकेले, सरकार के बस का तो यह होने से रहा। आपको देश का शायद ही कोई शहर मिले, जहां के अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्रों, हाई प्रोफाइल इलाकों और एलीट जोनों, बड़े मार्केटों में नशा उपलब्ध न हो। नशे पर पूरी तरह से बैन ही नहीं लग पा रहा है। राजधानी दिल्ली तो नशे के कारोबार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। इसके पीछे नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता तथा गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव के चलते हो रहे डिप्रेशन को कम करने में मदद मिलने जैसी बड़ी वजह भी है। इसके साथ ही मौजूदा पारिवारिक ढांचा और शिक्षा की कमी से हो रहे भटकाव तथा अज्ञानता भी नशे को बढ़ावा देने में मददगार बन रहा है। इसका सबसे बुरा असर हमारे कम उम्र के स्कूल और कॉलेज जाने वाले लड़के–लड़कियों पर भी बुरी तरह पड़ रहा है। थोड़ी सी मस्ती, अति उत्साह और सामाजिक आचार–विचार के प्रति बेरुखी के चलते खुद को बिंदास, बेपरवाह दिखाने के लिए ड्रिंक्स, स्मोकिंग, च्युइंग एडिक्शन जैसी आदतें अपनाने को वह अपने को आधुनिक और प्रगतिशील सिद्ध करने के लिये जरूरी मान बैठे हैं। दिल्ली और देश के शेष भागों में सूखे नशे में केवल तंबाकू या गुटखा ही नहीं इस्तेमाल हो रहा है। तस्करी चोरी के जरिए बड़े पैमाने पर गांजा, हेरोइन, स्मैक, चरस, कोकेन, मिथाइलीनडाइऑक्सी मेथाम्फेटामाइन (एमडीएमए), एक्स्टसी सिंथेटिक टैबलेट और पाउडर, मेफेड्रोन पाउडर और कैप्सूल तथा कोडीन मिला हुआ कफ सिरप को भी लाकर भी बेचा जा रहा है। एमडीएमए एक तरह का सिंथेटिक ड्रग है, जो उत्तेजक और बुद्धिभ्रष्ट कारक है। इस ड्रग के इस्तेमाल मात्र से शरीर पर बदलाव आने लग जाते हैं। सिंथेटिक ड्रग्स का उदय एक महामारी के रूप में हो रहा है जो कई लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है, खासकर युवा लोगों को।नए जमाने में सुरक्षा के नाम पर ई–सिगरेट का भी प्रचलन भी बढ़ता जा रहा है। इसमें धुआं भले ही न हो, लेकिन निकोटीन होने से स्वास्थ्य के लिए नुकसान में जरा सी भी कमी नहीं है। राजधानी के प्रतिष्ठित गंगा राम अस्पताल दिल्ली में वरिष्ठ चिकित्सक, मेडिसिन डॉ. मोहसिन वली कहते हैं, ष्भारत में तंबाकू सेवन करने वालों, विशेष रूप से धूम्रपान करने वालों की बढ़ती संख्या के चलते इस पर नियंत्रण के लिए बनाई गई नीतियों की तुरंत समीक्षा की जरूरत है। निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एनआरटी), गर्म तम्बाकू उत्पाद (एचटीपी) और स्नस (धुआं रहित तंबाकू) जैसे वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित विकल्पों के इस्तेमाल से नशे पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण कामयाबी मिली है। हालांकि एनआरटी को मेडिकल स्टोर पर केवल डॉक्टरों के प्रिस्क्रिप्शन पर ही लिया जा सकता है, जिसके कारण इसकी सरल उपलब्धता अब मुश्किल हो गई है। अब इसे सीधे कोई आसानी नहीं ले सकता है। जानकारों का कहना है कि अधिकांश लोग एनआरटी का उपयोग तब बंद कर देते हैं, जब उन्हें लगता है कि अब उन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। एनआरटी में निकोटीन की मात्रा सिगरेट की तुलना में वैसे तो कम होती है। निकोटीन को मस्तिष्क तक पहुँचने और इंसान को निकोटीन का प्रभाव देने में भी काफी समय लगता है। इसका मतलब यह है कि धूम्रपान छोड़ने की तुलना में एनआरटी का उपयोग बंद करना बहुत आसान है। सबसे बेहतर बात ये है कि एनआरटीके साइड इफेक्ट भी ज्यादा खतरनाक नहीं हैं। इसके साथ ही अब गुटखा को खाने वालों की तादाद चक्रवद्धि ब्याज की रफ्तार से बढ़ती ही चली जा रही है। इसमें तंबाकू की कितनी मात्रा हो, इसको लेकर कोई गाइडलाइंस नहीं है। इसको खाना अगर जरूरी ही है तो बिना तंबाकू वाले इसके इलायची आदि के स्वादिष्ट फ्लेवर क्यों नहीं बनाए जा रहे हैं, जिससे इसको खाने का मजा तो आए, लेकिन स्वास्थ्य पर कोई बुरा असर नहीं पड़े। कुछ समय पहले राजधानी के बीएलके–मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनरी मेडिसिन डॉ. पवन गुप्ता कह रहे थे–, सबसे गंभीर बात यह है कि आम लोगों में तंबाकू का प्रचलन बढ़ रहा हैं।

एक सिविल सेवक के लिए अच्छा कार्यकाल एक अनमोल वरदान

आदित्य

कई बार, संबंधित अधिकारी के कारण नहीं बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण कारणों से उसका तबादला हो जाता है। कई बार राज्य के मामलों की अध्यक्षता करने वाले लोग हमारी ओर से सोचते हैं और एक बेहतर पोस्टिंग के बारे में सोचते हैं, लेकिन फिर भी अधिकारी को ही परेशानी होती है। मैं बहुत भाग्यशाली था कि मैंने पार्वतीपुरम में तीन साल सफलतापूर्वक बिताए। जब भी मैं आधिकारिक काम के लिए हैदराबाद जाता था, तो मैं भीमली में आनंद वनम जा सकता था और पूज्य गुरुजी के साथ और विशाखापत्तनम में अपने माता–पिता के साथ समय बिता सकता था। भौगोलिक दृष्टि से मेरे पालन–पोषण के स्थान के हिसाब से यह मेरे करियर का सबसे निकटतम पोस्टिंग स्थान था। फिर मैं संयुक्त कलेक्टर के रूप में गुंटूर चला गया। मुझे एलबीएस अकादमी मसूरी में अपने पूर्व उप निदेशक के अधीनस्थ होने का अच्छा अनुभव था। मैं अपनी पत्नी और छोटे बेटे आदित्य के साथ अपनी प्रीमियर पद्मिनी कार में उस स्थान पर गया। मैंने देखा कि गुंटूर शहर एक बड़ा शहर था और बहुत से लोगों से गुलजार था। मैं कुछ मिनट निकालकर उस बातचीत के बारे में याद दिलाना चाहूँगा जो मुझे संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा में सफलता के बाद जिल्लेलामुडी अम्मा के साथ करने का सौभाग्य मिला था। अम्मा ने मेरे मुंडे हुए सिर पर मुट्ठी भर सफेद चमेली के फूल बरसाए और मुझे आशीर्वाद दिया। उन्होंने मुझसे पूछा कि मैं कब कलेक्टर के रूप में गुंटूर जा सकता हूँ। उन्होंने आगे कहा कि मुझे गुंटूर में कलेक्टर के रूप में देखना अच्छा होगा। मैं अवाक रह गया और मौन हो गया, उनकी प्रेमपूर्ण दिव्य उपस्थिति में डूब गया। उन्होंने मुझे अपने प्यार और स्नेह के प्रतीक के रूप में कुछ मुट्ठी भर दही चावल भी खिलाए। 1983 में अम्मा के साथ यह बातचीत मेरी अंतरात्मा में कौंध गई और मुझे यकीन था कि उनके शब्द मुझे गुंटूर ले आए। मैं यहाँ उन सभी विवरणों को नहीं बता सकता, जिन्होंने गुंटूर में मेरे प्रवास को छोटा कर दिया। एक शाम श्री रोसैया ने मुझे आर एंड बी गेस्टहाउस में बुलाया और मुझे महबूबनगर में मेरे आसन्न स्थानांतरण के बारे में बताया। इसलिए अम्मा की भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए, मैं जेसी के रूप में गुंटूर गया और तीन सप्ताह से अधिक समय तक कलेक्टर गुंटूर का प्रभार संभाला। महबूबनगर जिला राज्य मुख्यालय के सबसे करीब में से एक था। जिले में आम तौर पर यह माना जाता है कि कई सरकारी कर्मचारी हैदराबाद से काम करते थे। दक्षिण मध्य रेलवे ने कर्मचारियों को सुबह महबूबनगर जाने और रात को तुंगभद्रा एक्सप्रेस से हैदराबाद लौटने की सुविधा दी। यह जिला राज्य का दूसरा सबसे बड़ा जिला था और इसे 64 मंडलों और चार राजस्व उपविभागों में विभाजित किया गया था। ग्रामीण मंडल बिजली और पानी की सेवाओं से बहुत खराब तरीके से सुसज्जित थे। यह एक अच्छी तरह से फैला हुआ जिला है और सभी चिंताओं और चुनौतियों की सूची में शामिल है। यदि कोई सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों या अस्पृश्यता की समस्या वाले क्षेत्रों या वामपंथी उग्रवाद वाले स्थानों या सूखे आदि के कारण गरीबी के चक्र में फंसे गांवों को देखता है, तो इस जिले का उल्लेख अनिवार्य रूप से वहां होगा। क्या यह विडंबना नहीं है कि राज्य मुख्यालय के इतने करीब एक जिला इतनी सारी चुनौतियों से घिरा हुआ है। यहां तक कि जिला मुख्यालयों में सुनिश्चित जल आपूर्ति भी नहीं थी और जैसे कि ये समस्याएं या चुनौतियां पर्याप्त नहीं थीं, प्रोजेक्ट टाइगर उस सूची में ताजा जुड़ गया इन चुनौतियों ने मुझे महबूबनगर जिले में स्वागत किया और फरवरी 1990 के अंत में मैं कलेक्टर के रूप में वहां जाने में प्रसन्न था। इस प्रकार अपने सातवें वर्ष में मैं अपने बैच में जिला प्रभार संभालने वाला पहला व्यक्ति था। आंध्र प्रदेश सरकार ने वामपंथी उग्रवाद की समस्या से निपटने के लिए 'विशेष क्षेत्र कार्यक्रम' (एसएपी) शुरू किया। इस कार्यक्रम को उस समस्या से प्रभावित सभी मंडलों में लागू किया जाना था। सचिव स्तर के पद पर एक वरिष्ठ अधिकारी श्री टी गोपालराव मेरे जिले में इस कार्यक्रम का समन्वय कर रहे थे। श्री गोपाल राव मेरे बड़े भाई की तरह थे और जल्द ही हमारे बीच एक बेहतरीन कार्य संबंध बन गया। हमने एक–दूसरे से फोन पर बात की और उन्होंने सभी मंडलों का संयुक्त रूप से दौरा करने और पंचायत संस्थाओं का कायाकल्प करने का सुझाव दिया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ अचंपेट में हुआ। एसएपी के शुभारंभ से पहले जिला मंत्री के तत्वावधान में उस क्षेत्र के निर्वाचित विधायकों के साथ एक बैठक बुलाई गई थी। वे सभी मुझ पर भड़क गए, क्योंकि मैंने उनसे परामर्श किए बिना यह एसएपी तैयार किया था। मैं उन्हें मना नहीं पाया और मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं थे। श्री गोपाल राव ने विधायकों से परामर्श न करने का पूरा दोष अपने ऊपर लेकर मेरी मदद की। मैं अपने वरिष्ठ नेता की इस लापरवाही से अचंभित रह गया। विधायकों ने पूरी नाराजगी जाहिर की और वे प्रभावित मंडल प्रजा परिषदों की आम सभा में जाने के श्री गोपाल राव के सुझाव पर तुरंत सहमत हो गए। हम दोनों ने लगातार जिले का दौरा किया और दूर–दराज के गेस्ट हाउसों में जाने से बचते हुए कुछ स्कूल भवनों में रातें बिताईं। श्री गोपाल राव जब एमपीपी की आम सभा को संबोधित करते थे या गांवों में युवाओं से बात करते थे, तो उनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिलता था। मैंने एमपीपी की आम सभा में जाने की अपनी आदत जारी रखी और इससे मुझे नगर निगम में जन प्रतिनिधियों की मांगों को समझने का एक बेहतरीन अवसर मिला।

संविधान में नहीं है नेटिव या आदिवासी शब्द

विनोद

9 अगस्त को विश्व मूल निवासी दिवस के रूप में मनाता है। 30 साल पहले वर्ष 1994 में इस दिवस को मनाने की शुरुआत हुई थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार दुनिया के 40 देशों में 43 करोड़ मूल निवासी हैं, जिनमें 25 प्रतिशत भारत में रहते हैं। हालांकि, भारत के संविधान में कहीं भी श्नेटिवश यानी मूल निवासी अथवा श्आदिवासीश शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है। इन शब्दों का प्रयोग ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और अमेरिका में किया जाता था। भारत में मूल निवासी की अवधारणा कभी नहीं रही। 13 सितंबर 2007 को जब संयुक्त राष्ट्र संघ ने मूल निवासियों के अधिकारों की घोषणा की, तब भारत में स्पष्ट किया था कि हमारे यहां सभी मूल निवासी हैं और कोई बाहर से नहीं आया है। दरअसल, अंग्रेजी में श्नेटिवश शब्द मूल निवासियों के लिए उपयोग में लिया जाता है, जबकि अंग्रेजी के श्ट्राइबलश शब्द का अर्थ मूल निवासी नहीं होता है। श्ट्राइबलश शब्द का अर्थ होता है श्जनजातिश। ऐसे में 9 अगस्त को विश्व जनजाति दिवस कहना ज्यादा उचित होगा। भारत में पहले मूल निवासी दिवस मनाने का कोई चलन नहीं था। अमेरिका के मूल निवासी जरूर 9 अगस्त को अमेरिकी नरसंहार दिवस के रूप में मनाते हैं। वहां हजारों की संख्या में लोग संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय के बाहर इकट्ठा होकर विरोध प्रदर्शन करते हैं, क्योंकि यूरोपीय देशों ने अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीकी देशों में अपनी बस्तियां बसाकर अपने साम्राज्य की स्थापना की थी। वहां बसे हुए मूल निवासियों को गुलाम बनाते हुए विस्थापित किया था। उनके संस्कृति, जीवन–दर्शन, रीति–रिवाज, मान्यताओं और धर्म को नष्ट किया था। प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा कर लिया था। यही कारण है कि ऑस्ट्रेलिया के तत्कालीन प्रधानमंत्री केविन रूड ने 13 फरवरी 2008 को अपनी संसद में वहां के मूल निवासियों से क्षमा मांगी थी। भारत के संदर्भ में बात करें तो यहां रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति कभी न कभी आदिवासी या वनवासी रहा है। कुछ सदी पहले सभी लोग वनों में ही निवास करते थे। विकास की गति जैसे–जैसे आगे बढ़ी तो कुछ ग्रामवासी हो गए और ग्रामों से नगर बने तो नगरवासी हो गए। ऋग्वेद में मनुष्यों के लिए श्जनजातिश शब्द का प्रयोग हुआ है। ऋग्वेद में श्जनश शब्द 127 बार आया है। कुछ इतिहासकार आर्यन इन्वेजन थ्योरी की बात करते हैं, जिस पर लंबे समय से बहस जारी है, क्योंकि कहीं भी आर्य आक्रमण का संदर्भ भारतीय इतिहास के किसी भी कालखंड में नहीं मिलता है। भारत में आज जो जनजाति हैं, उनमें बड़ी संख्या में रामपंथी हैं। छत्तीसगढ़ और झारखंड की 32 आदिवासी जनजातियां स्वयं को रामपंथी संप्रदाय से जोड़ती हैं। रामनामी संप्रदाय तो बताता है कि मुगलों ने उन्हें राम से अलग करने की कोशिश की तो उन्होंने अपने पूरे शरीर पर राम का नाम गुदवा लिया। भील शबरी, निषाद राज केवट आदि ने भगवान राम को धर्म की स्थापना के लिए सहयोग दिया था। भगवान राम की माता कौशल्या कश्यप गोत्र की थी, जो कंवर जनजाति का गोत्र है। आज भी कंवर समुदाय के लोग कौशल्या को बेटी के रूप में पूजते हैं और भगवान राम को भतीजा मानते हैं।

भारत में आदिवासी समाज शैव और भैरव के साथ जंगल, पहाड़, नदियों, सूर्य की आराधना करते हैं। आदिवासियों के लोक देवता, ग्राम देवता, कुल देवता होते हैं। सिंधु घाटी की सभ्यता में शिव जैसी मूर्ति मिली हैं। सनातन धर्म को मानने वाले भी नदियों, पेड़ों, प्रकृति, शिव आदि की पूजा करते हैं। स्पष्ट है कि वनवासी से लोग ग्रामवासी और फिर नगरवासी बने। समय और विकास की दौड़ के साथ नगर बढ़ते चले गए। ग्राम और वन छोटे होते गए। आज जरूरत हमारी जनजातियों के संरक्षण की है। देश में विकास की बड़ी परियोजनाओं के लिए वन भूमि के अधिग्रहण और जनजातियों के पुनर्वास को लेकर द्वंद चल रहा है। हमारी जनजातियां सुरक्षित रहे हैं, इसके लिए सरकारों को संवेदनशील होकर कार्य करने की जरूरत है। ऐसे कानून बनाने की आवश्यकता है, जिससे भारत की आत्मा यानी जनजातियां सुरक्षित रहें। मूल निवासी और बाहरी का जो झगड़ा समाज में खड़ा करने की कोशिश पिछले कुछ वर्षों से हो रही है, उस खाई को भी पाटने की आवश्यकता है।

असली विकास प्रकृति की सुरक्षा एवं संरक्षण से ही

संदीप

वायनाड और फिर कुल्लू–मनाली में जो आपदा बरसी, उसने 'विकास या विनाश' का मुद्दा फिर छेड़ दिया है। कोई भी आपदा अचानक, अकेले नहीं आती है। उससे पहले समाज और सत्ता में भी अच्छे विचार और सच्चे काम की कमी आती है। आपदा प्राकृतिक हो या मानवीय–हर आपदा का एक इकोलॉजिकल या जीव पारिस्थितिकी–तंत्र होता है, जो कुछ लोगों के निजी स्वार्थ के कारण बहुतों को नुकसान पहुंचा जाता है। इसलिए कश्मीर से कन्याकुमारी तक, मणिपुर से लेकर मुंबई तक, जो भी जलवायु संबंधी आपदा घट रही है, उनके पीछे मानवीय स्वार्थ जिम्मेदार होता है। प्रकृति तो सदा परिवर्तनशील ही रही है, मगर आपदाग्रस्त नहीं। आखिर हर मानसून में बढ़ती जा रही इन भयावह त्रासदियों से हम कोई सीख क्यों नहीं लेते। आज का विकास मॉडल प्रकृति के विनाश पर आधारित है। महंगाई और बेरोजगारी के बीच आलीशान इमारतें, सुपर हाईवे, पर्यटन कॉरिडोर व छह–लेन चौड़ी सड़कें उनसे जरूरी कैसे हो सकती हैं? विकास का जो मॉडल पिछले कुछ दशकों से देश में चलाया जा रहा है, उसे समाज और सत्ता के पैमाने पर देखना होगा। समाज के मन में यह घर कर गया है कि असल विकास तो विदेश का ही है और हमें देश में विदेश जैसा विकास चाहिए। यानी भारत को भौतिक तौर पर अमेरिका या इंग्लैंड ही बनाना है। यह वैसा ही है, जैसा 1909 में महात्मा गांधी ने हिंद स्वराज्य में दर्शाने की कोशिश की थी। यानी हमें बाघ का स्वभाव (निरंकुशता) तो चाहिए, लेकिन बाघ (अंग्रेज) नहीं चाहिए। मगर बाघ का स्वभाव तो बाघ के साथ ही आएगा। प्रकृति में सभी की जरूरत के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन एक की भी लालसा के सामने वह कम ही रहने वाला है। सिर्फ मुनाफे के लिए ही उद्योगपति विकास मॉडल के हिस्सेदार बनते हैं। इसलिए सड़कें बनानी हों या इमारतें, या कोई अन्य उद्योग लगाने हों, उस जमीन पर जीने–बसने वालों को अनावश्यक मान लिया जाता है। वायनाड, कुल्लू–मनाली या अन्य पहाड़ी इलाकों में सत्ता व उद्योगपतियों की सांठगांठ ने सिर्फ मुनाफे का ही विकास दर्शाया। विकास के नाम पर पेड़ तो खूब काटे जाते हैं, मगर उतने पेड़ लगाए नहीं जाते। बादल फटने या तेज बारिश होने से भुरभुरी मिट्टी भूस्खलन ही लाती है। या नदी का जल बिना ठहरे तेजी से बहता है, तो रास्ते से सब कुछ बहा ले जाता है। नतीजतन आपदा आती है। समाज को विकास के लिए विवेक से काम लेना होगा। ऐसी ही सांठगांठ दिल्ली के राजेंद्र नगर के कोचिंग सेंटर हादसे में भी दिखी। रिहायशी इलाकों में कोचिंग सेंटर चलाने की मंशा भी मुनाफे की ही रही है। बस उनमें पढ़ने वाले प्रतिभाशाली बच्चे दूसरे राज्यों से आए थे। वर्ष 1935–36 में गांधी जी ने तय किया कि देश के बीचों–बीच सेवा कार्य करने–सीखने का गांव बने। सेवाग्राम आश्रम उद्योगपति जमनालाल बजाज को बनाना था। गांधी जी ने बजाज से शर्त रखी कि आश्रम बनाने के लिए जो भी जरूरत होगी, वह उसके सिर्फ पांच किलोमीटर के दायरे से ही ली जाए। इसके उन्होंने तीन कारण बताए–आसपास के लोगों को रोजगार मिलेगा, आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और समरसता पैदा होगी। सभ्य समाज में सबका विकास ऐसी ही समरस अर्थव्यवस्था से होना चाहिए। वायनाड, कुल्लू–मनाली और पहाड़ों में रहने–बसने वालों के लिए विकास का जो मॉडल अपनाया गया, उसमें पेड़ों की अंधाधुंध कटाई और जलवायु प्रदूषण होता है। विकास के नाम पर साठ प्रतिशत जंगल काट दिए गए हैं। पर्यटकों के लिए पेड़–पहाड़ काट कर सड़कें बनाना वहां रहने–बसने वालों के लिए रोजगार का बहाना भर है। ऐसे ही रोजगार का विकास कभी दिल्ली आकर कुसुमपुर पहाड़ी पर या मुंबई के धारावी के स्लमों में बसे लोगों ने भी देखा था। आज वे न घर के हैं, न घाट के। दिल्ली के जमनापार में एक उच्च मध्यवर्गीय कालोनी निर्माण विहार है। उसमें कभी बारिश के पानी को सहेजने के लिए अलग से खुली नालियां बनाई गई थीं। फिर विकास के नाम पर उन नालियों को ढक दिया गया, अब उन नालियों पर कारें खड़ी होती हैं। ढक देने से नालियों की सफाई नहीं होती और जल निकासी भी अवरुद्ध हो गई है। नतीजतन हर बारिश में कालोनी बाढ़ ग्रस्त होती है। जन और जनसेवक अगर ईमानदारी से स्थानीय विकास पर जोर देते, देश कब का विकसित राष्ट्र बन जाता। समाज को ही एकजुट होकर संपोषणीय विकास (सस्टेनेबल डेवलपमेंट) के लिए आगे आना होगा, क्योंकि पारिस्थितिकी की समझ तो वहां जीने–बसने वालों से ही बनती है। असली विकास प्रकृति की सुरक्षा एवं संरक्षण से ही हो सकता है।

जाति, डेटा और उप–कोटा– प्रधानमंत्री के लिए कोई गुंजाइश नहीं

ललित

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली नई अल्पमत सरकार की प्रतिक्रिया में बचकाना गुस्सा साफ झलक रहा है कि नए संसद भवन की भव्य लॉबी में पानी का रिसाव एक छोटी सी बात थी, "तो क्या हुआ, हुह!" घटना। सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ के ऐतिहासिक आदेश द्वारा सक्षम राज्य सरकारों द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति उप–वर्गीकरण के कहीं अधिक बड़े और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मामले के लिए, "तो क्या हुआ" वाली मुद्रा काम नहीं आएगी। 2024 के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्णय दिया गया कि एससी और एसटी के भीतर अन्य समूहों के सापेक्ष आर्थिक और सामाजिक पिछड़ेपन की "विभिन्न डिग्री" के आधार पर एससी और एसटी की पहचान समानता और न्याय के वादे को पूरा करने के लिए आवश्यक है। न्यायालय ने माना कि आरक्षण लागू होने के बाद भी कुछ एससी और एसटी पिछड़े रह गए हैं। इन उप–जातियों की पहचान करके और उन्हें आरक्षण लाभों के लिए सूचीबद्ध करके, समानता के सिद्धांत को संतुष्ट करने के लिए आवश्यक सुधार किया जा सकता था, निर्णय ने कहा। सर्वोच्च न्यायालय ने समझदारी से माना है कि ष्राष्ट्रपति सूची में शामिल होने से स्वतः ही एक समान और आंतरिक रूप से समरूप वर्ग का निर्माण नहीं हो जाता है जिसे आगे वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है। यह स्वीकार करके कि एससीध्एसटी समुदायों के भीतर अपेक्षाकृत बदतर स्थिति वाले लोग हैं, सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से राज्यों को ष्क्रीमी लेयरष् की पहचान करने के लिए बाध्य करने का द्वार खोल दिया है। निर्णय स्पष्ट हैय सापेक्ष वंचना या भेदभाव या पिछड़ापन समूह की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को सत्यापित करने के लिए पर्याप्त डेटा के साथ ष्मात्रात्मक और प्रदर्शन योग्यष् होना चाहिए। यह जोड़कर कि किसी उप–जाति को एससी के रूप में वर्गीकृत करने वाली अधिसूचनाएं ष्सनक या राजनीतिक सुविधा के मामले के रूप में्ष नहीं हो सकती हैं, सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय निहित राजनीतिक हितों और चुनावी राजनीति की मजबूरियों द्वारा हेरफेर से जो कुछ भी सक्षम है उसे बचाने की कोशिश कर रहा है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच एससी और एसटी की स्थिति में भिन्नता की वास्तविकता राज्य सरकारों के लिए चिंता का विषय है, जो कुछ उप–श्रेणियों के दबाव का सामना कर रही हैं जो वंचित और भेदभाव महसूस करना जारी रखते हैं और विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ पार्टी को मराठों के लिए लंबे समय से मांगे जा रहे आरक्षण की घोषणा करने का लाभ नहीं उठाना चाहिए। इस मांग को स्वीकार करना भाजपा जैसी पार्टी के लिए संभावित रूप से गेम–चेंजर साबित होगा, क्योंकि उसके पास ऐसे मजबूत मराठा नेताओं की कमी है जो शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना से वोटों को दूर कर सकें। हरियाणा के लिए भी यही सच होगा, जहां दलित वोटों की उप–श्रेणियों का सूक्ष्म प्रबंधन भाजपा के लिए संभावित रूप से एक चेहरा बचाने वाला हो सकता है, क्योंकि हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में उसे चुनावी हार का सामना करना पड़ा था। सर्वोच्च न्यायालय ने उस मिसाल का हवाला दिया है जिसका तात्पर्य यह है कि 21वीं सदी और उसके बाद संविधान को किस तरह समझा जाना चाहिए, इसके ये अब स्थापित सिद्धांत हैं। यह देखना अभी बाकी है कि अनुच्छेद 341, जिसने राष्ट्रपति को यह तय करने का प्रभावी एकाधिकार दिया कि किस समुदाय को एससी और एसटी की सूची में शामिल किया जाए या बाहर रखा जाए, और अनुच्छेद 342ए का 102वां संशोधन, जो 2018 में पारित हुआ, जिसने संसद को उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के संबंध में "सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को निर्दिष्ट करने" का अंतिम मध्यस्थ बनाया, नई व्यवस्था में कैसे फिट बैठता है। केंद्र द्वारा नियंत्रित सूची जिसने तेलंगाना में मादिगा को एससी समूह के भीतर एक उप–श्रेणी के रूप में शामिल करने, बिहार में पासवान, उत्तर प्रदेश में जाटव और तमिलनाडु में अरुंधतिर को उप–श्रेणी के रूप में शामिल करने से रोक दिया था, अब हटा दिया गया है। तमिलनाडु और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों एम.के. स्टालिन और ए. रेवंत रेड्डी की प्रतिक्रियाएं सुप्रीम कोर्ट के फैसले के राजनीतिक प्रभाव की पुष्टि करती हैं। बिहार में, जहाँ 2025 की शुरुआत में चुनाव होने हैं, सापेक्ष वंचना का मात्रात्मक और प्रदर्शनीय परीक्षण नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल (यूनाइटेड)–भाजपा गठबंधन के लिए एक टाइम बम है जो फटने का इंतजार कर रहा है। जाति सर्वेक्षण की वैधता को लेकर मोदी सरकार से लड़ने के बाद, अब नीतीश कुमार क्या करेंगे? उनके पास डेटा है। क्या वे इसका इस्तेमाल उप–जातियों और इन उप–जातियों के भीतर मुसलमानों की पहचान करने और उन्हें आरक्षण देने के लिए करेंगे? यह दिखावा करना कि संविधान में संशोधन जो इसकी पवित्रता का उल्लंघन करते हैं, उन्हें पराजित किया जाएगा क्योंकि ये कांग्रेस और विपक्ष द्वारा वोट बैंक को खुश करने और लोगों को विभाजित करने की साजिशें हैं, भी काम नहीं करेगा। निर्णय पूरी तरह से स्पष्ट है कि अब

से वर्गीकरण डेटा पर आधारित होना चाहिए। भाजपा की समस्याएँ नीतीश कुमार या आंध्र प्रदेश के एन. चंद्रबाबू नायडू जैसे अपने सहयोगियों को प्रबंधित करने तक सीमित नहीं हैं, जहाँ मदीगा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सराहना की है। न तो मित्र और न ही बहुजन समाज पार्टी जैसी शत्रु पार्टियों ने इस मांग पर कोई प्रतिक्रिया दी है कि सूचीबद्ध आरक्षण लाभार्थियों को संविधान की नौवीं अनुसूची में डाला जाना चाहिए। भाजपा अब मुश्किल में है। आंकड़ों के प्रति उसकी अरुचि उसके जिद्दी और जनगणना की शुरुआत की घोषणा करने में हानिकारक देरी। मोदी सरकार ने 2011 के जाति सर्वेक्षण के आंकड़ों को रोक रखा है, पिछले कुछ वर्षों में अपने राजनीतिक उद्देश्यों के अनुकूल कुछ अंश जारी किए हैं। हालांकि यह एक "संवेदनशील घरेलू मुद्दा" हो सकता है जैसा कि आरएसएस नेता राम माधव ने इसे वर्णित किया है, संघ परिवार इसे संबोधित करने से नहीं बच सकता। भाजपा शासित राज्यों में कुछ न कहना या इससे भी बदतर कुछ न करना उन उप–जातियों को अलग–थलग कर देगा जो सापेक्ष वंचना की अपनी शिकायत के त्वरित समाधान के रूप में अलग सूचीकरण की मांग कर रहे हैं। कुछ करने के लिए मोदी सरकार को जाति सर्वेक्षण कराना होगा। भाजपा के भीतर से ऐसी आवाजें उठ रही हैं जो पहचान की गई एससी और एसटी की सूची के विस्तार का स्वागत करती हैं। वाराणसी के एक भाजपा दिग्गज, बिजय सोनकर शास्त्री, जो अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान राष्ट्रीय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के प्रमुख थे, की प्रतिक्रिया स्पष्ट थीरू उन्होंने कहा कि "जिन लोगों को लंबे समय से लाभ नहीं मिला है।

भुल्लनपुर पीएसी के तत्वाधान में आयोजित चार दिवसीय तैराकी एवं क्रासकंट्री प्रतियोगिता सम्पन्न

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। 34वीं वाहिनी पीएसी, भुल्लनपुर वाराणसी के तत्वाधान में आयोजित, चार दिवसीय 27 वीं पीएसी पूर्वी जोन अंतर वाहिनी तैराकी एवं क्रॉसकंट्री प्रतियोगिता–2024 के सम्पन्न हुआ।इस मौके पर आयोजन सचिवष्सेनानायक 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी पंकज कुमार पांडेय श्आईपीएसश द्वारा भव्य पदक अलंकरण समारोह आयोजित कर शीर्ष प्रतिभागियों को विभिन्न पदकों से अलंकृत कर पुरस्कृत किया गया।चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में टीम चौम्पियनशिप तैराकी में 34वीं वाहिनी पीएसी भुल्लनपुर वाराणसी ने कुल 153 अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि 42वीं वाहिनी पीएसी के सूरजकांत ने सर्वोत्तम तैराक व जयप्रकाश सिंह ने सर्वोत्तम डाईवर का खिताब अपने नाम किया। वहीं 34वीं वाहिनी के रिषभ पाठक ने 50 मीटर फ्रीस्टाइल की रेस मात्र 31 सेकन्ड में पूरी करते हुए अव्वल रहे। प्रतियोगिता का समापन एवं पदक अलंकरण समारोह बीएचयू परिसर वाराणसी के तरणताल में आयोजित किया गया।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में आयोजन सचिव श्आईपीएसश पंकज पाण्डेय ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश पीएसी पूर्वी जोन की विभिन्न 10 वाहिनियों से (4वीं वाहिनी, 12वीं, 20वी, 33वी, 34वी, 36वी, 37वी, 39वी, 42वी तथा 48वीं वाहिनी) से कुल 289 खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का दर्शकों द्वारा ताली बजाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथिध्आयोजन सचिव, पंकज पाण्डेय, आईपीएस, द्वारा समारोह के दौरान प्रतिभागियों के खेल भावनाओं की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी व विजयी टीमों एवं विजेता खिलाड़ियों को भव्यता पूर्वक पदकों से अलंकृत किया। इस पदक अलंकरण समारोह के दौरान शिविरपाल अजय प्रताप सिंह, दलनायक, बृजेश राय, बदन यादव, सहायक शिविरपाल मुन्नीलाल, सूबेदार मेजर गोपाल जी दूबे, से0नि0 मु0आ0 कवीन्द्र सिंह समेत अन्य अधिकारीध्कर्मचारी, सभी टीमों के टीम मैनेजर्सध्कोच, बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व आमंत्रित अतिथिगण उपस्थित रहे।

सपाइयों ने मनाया वीरांगना पूर्व सांसद स्वर्गीय फूलन देवी की जयंती

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय पर वीरांगना पूर्व सांसद स्वर्गीय फूलन देवी की जयंती मनाई गई।आज समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय पर पूर्व सांसद वीरांगना स्वर्गीय फूलन देवी की जयंती मनाई गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव व संचालन महानगर महासचिव हामीद जाफर मीसम ने किया इस मौके पर पार्टी पदाधिकारी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनको याद करते हुए सभी ने उनके चित्र पर मलयार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे ने कहा कि विरांगना फूलन देवी जी ने समाज को जागरूक करते हुए अन्याय के खिलाफ मोर्चा खोला,श्रद्धेय नेता जी ने सांसद बनाकर विरांगना फूलन देवी का सम्मान बढ़ाया।महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा कि सांसद फूलन देवी सपा के संरक्षक मुलायम सिंह यादव के संरक्षण में समाज की मुख्य धारा में जुड़कर सपा के टिकट पर सांसद बनीं।उन्होंने समाज को जागरूक करने के लिए अन्याय खिलाफ मोर्चा खोला। इस मौके पर महासचिव हामिद जाफर मीसम ने कहा स्वर्गीय फूलन देवी ने समाज की बुराइयों से लड़कर मिर्जापुर से संसद तक का सफर तय किया।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ही ऐसी पार्टी है जो गरीब दलित पिछड़े औरअल्पसंख्यक की लड़ाई को लड़ रही है महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव महासचिव हमीद जाफर मीसाम उपाध्यक्ष श्री चंद यादव, प्रदेश सचिव राम अचल यादव, मोहम्मद हलीम पप्पू, विधानसभा अध्यक्ष रक्षा राम यादव, महानगर सचिव जगन्नाथ यादव, वीरेंद्र गौतम, महानगर अध्यक्ष अपर्णा जायसवाल शमशेर यादव पार्षद राम भवन यादव लल्लूर यादव राशिद सलीम, अजय यादव, शिव शंकर शिवा, सिकंदर चौधरी,स्नेह लता निषाद पिछड़ा वर्ग महानगर अध्यक्ष भगवान दिन निषाद, प्रदीप निषाद, जगदीश यादव, अमरजीत निषाद, राज निषाद, संतोष निषाद, राहुल निषाद,रामदयाल निषाद, सूरज, सुनील, शिवा निषाद, राजकिशन, संगम, मनोज यादव, मुकेश यादव, बालक राम निषाद,रामराज निषाद, बालकृष्ण, कृष्ण निषाद इश्तियाक खान,सिकंदर चौधरी सुरेंद्र यादव आदि लोग मौजूद रहे।

बीएसए में परिषदीय विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बेसिक शिक्षा विभाग में गुणवत्ता संवर्धन एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु जनपद के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल ने शनिवार को विकास क्षेत्र जलालपुर एवं केराकत के परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। बीएसए द्वारा सर्वप्रथम विकास खण्ड जलालपुर के प्राथमिक विद्यालय नेवादा का निरीक्षण किया गया। विद्यालय में कार्यरत समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी विद्यालय उपस्थित मिले। विद्यालय मे नामांकित कुल 134 छात्रों के सापेक्ष 98 छात्र उपस्थित मिले। विद्यालय में समस्त अभिलेखों का अवलोकन करने पर सही पाया गया। तत्पश्चात प्राथमिक विद्यालय मझगांवा खुर्द का निरीक्षण किया गया। विद्यालय में कार्यरत समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी विद्यालय उपस्थित मिले। विद्यालय मे नामांकित कुल 103 छात्रों के सापेक्ष 69 छात्र उपस्थित मिले। छात्र–छात्राओं का अधिगम स्तर न्यून पाये जाने के कारण सुधार हेतु निर्देशित किया गया। प्रधानमंत्री पोषण अभियान के तहत विद्यालय मे दाल–चावल बना हुआ पाया गया।

प्राथमिक विद्यालय हरिपुर का निरीक्षण बीएसए द्वारा अपरान्ह 12:26 पर किया गया। विद्यालय मे कार्यरत सहायक अध्यापिका श्रीमती साधना कुमारी एवं शिक्षा मित्र श्रीमती शकुन्तला देवी बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित पायी गयी। जिनका अनुपस्थित तिथि का वेतन अवरुद्ध करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। विद्यालय मे कार्यरत शेष समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी विद्यालय उपस्थित मिले। विद्यालय मं रसोई घर अत्यन्त गंदा पाया गया। मसाले एवं अनाज रखने के लिए डिब्बे एवं कन्टेनर का प्रयोग नहीं किया गया जा रहा था। चावल को डस्टबिन वाले डिब्बे में असुरक्षित ढ़ग से रखा पाया गया जिसमे चूहे कूद रहे थे। जिसके कारण बीएसए द्वारा सम्बंधित प्रधानाध्यापक श्री मायाशंकर यादव का अग्रिम आदेश तक वेतन अवरुद्ध किया गया।

इसके पश्चात प्राथमिक विद्यालय कनुवानी का निरीक्षण किया गया। विद्यालय मे कार्यरत समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी विद्यालय उपस्थित मिले। विद्यालय मे नामांकित कुल 41 छात्रों के सापेक्ष 34 छात्र उपस्थित मिले। छात्र नामांकन कम पाये जाने के कारण समस्त स्टाफ को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय कनुवानी का निरीक्षण किया गया। विद्यालय में कार्यरत सहायक अध्यापिका श्री गिरिजेश मिश्र, सहायक अध्यापक उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर बनाकर अनधिकृत रुप से एवं श्रीमती जया सिंह, स0अ0 बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित पायी गयी। विद्यालय मे कार्यरत शेष समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी विद्यालय उपस्थित मिले। विद्यालय परिसर में बड़ी–बड़ी घास उगी पायी गयी। विद्यालय मे नामांकित कुल 39 छात्रों के सापेक्ष 30 छात्र उपस्थित मिले। छात्र नामांकन कम पाये जाने एवं अधिगम स्तर अत्यन्त न्यून पाया गया, कक्षा 8 के बच्चे साधारण भिन्न एवं दशमलव का गुणा नहीं हल कर पाये। विद्यालय में पायी गयी उपरोक्त गम्भीर कमियों के दृष्टिगत समस्त स्टाफ का वेतन अग्रिम आदेश तक अवरुद्ध किया गया। विकास खण्ड केराकत के कम्पोजिट विद्यालय नाऊपुर का निरीक्षण 01:40 बजे किया गया। विद्यालय में कार्यरत प्रभारी प्रधानाध्यापक अवकाश पर पाये गये। विद्यालय मे कार्यरत शेष समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी विद्यालय उपस्थित मिले। कम्पोजिट ग्राण्ट 75000 खर्च किया गया है परन्तु विद्यालय में रंगाई–पुताई नहीं कराया गया है। शौचालय अत्यन्त गन्दा पाया गया तथा शौचालय का दरवाजा टूटा पाया गया। विद्यालय मे नामांकित कुल 257 छात्रों के सापेक्ष 152 छात्र उपस्थित मिले। छात्र अधिगम स्तर न्यून पाया गया, कक्षा 8 के बच्चे दो अंको एवं 3 अंको का गुणा नहीं कर पाये। विद्यालय में पायी गयी उपरोक्त गम्भीर कमियों के दृष्टिगत प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री सुधीर कुमार सिंह का वेतन अग्रिम आदेश तक अवरुद्ध किया गया।

तत्पश्चात 02:20 पर बी0आर0सी0 केराकत का निरीक्षण किया गया। बी0आर0सी0 शौचालय अत्यन्त गन्दा पाया गया एवं परिसर में घास–फूस उगी पायी गयी। उक्त कमियों को 01 सप्ताह के अन्दर दूर कर अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने हेतु खण्ड शिक्षा अधिकारी केराकत को नोटिस जारी किया गया।

हैदरगंज क्षेत्र में विद्युत करंट की चपेट में आने से किशोर की हुई मौत पर ग्रामीणों ने काटा हंगामा

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के हैदरगंज थाना क्षेत्र में विद्युत करंट की चपेट में आने से 14 वर्ष से किशोर की झुलसकर मौत हो गई। हादसा हैदरगंज थाना क्षेत्र के पूरब पट्टी के पठकौली गांव की है।बताया गया कि शुक्रवार शाम करीब 4 बजे गांव निवासी शशांक पाठक 14 वर्ष पुत्र स्व कृष्ण व्हन्द्र पाठक घर मे खेलते समय विद्युत करंट की चपेट में आ गया। जानकारी होने पर आनन फानन में परिजन उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगंज ले गये।परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने पर कोई चिकित्सक मौजूद नहीं था। आरोप है कि वह लोग किशोर को बाहों में लिये इधर उधर इलाज के लिये भागते रहे। कभी चिकित्सकों के आवास तो कभी अस्पताल की इमरजेंसी की तरफ इधर–उधर दौड़ते रहे। परंतु कोई मौके पर नहीं आया । इसी दौरान इलाज के अभाव में शशांक की मौत हो गई।किशोर की मौत होने की जानकारी होने के बाद मौजूद लोग आक्रोशित हो गये। और हंगामा शुरू कर दिया।काफी देर तक हंगामा करने के बाद पहुंचे डाक्टर महिपाल ने जांच पड़ताल के बाद किशोर को मृत घोषित कर दिया।ग्रामीणों द्वारा हंगामा करने की सूचना मिलने के बाद हैदरगंज थाना प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद अरशद भी पुलिस फोर्स के साथ पहुंच गए।लेकिन ग्रामीणों का आक्रोश शांत नहीं हुआ और दोषी चिकित्सक के ऊपर कारवाई करने की मांग करने लगे और धरने पर बैठ गए। मामला गम्भीर होता देख कर तहसीलदार धर्मेंद्र सिंह,नायब तहसीलदार रामखेलावन के साथ जिले की मीटिंग छोड़कर मौके पर पहुंच गए।परिजनों और ग्रामीणों ने लापरवाही की जांच करके दोषी चिकित्सक महिपाल को सीएचसी से हटाने और विधिक कार्यवाही पर अड़े रहे। और शिकायत मांग पत्र तहसीलदार तथा थाना अध्यक्ष को दिया गया। तहसीलदार धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि मौके पर पहुंचकर समझाने बुझाने के बाद ग्रामीणों के आक्रोश को शांत कराया गया।ग्रामीण और परिजनों के मांग पत्र पर जांच कर कार्यवाही के लिए उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट प्रेषित की जायेगी।इस संबंध में हैदरगंज प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद अरशद ने बताया कि शव का पंचायत नामा भरकर मृतक किशोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है सांसद वीरांगना फूलन देवी – सरोज यादव

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। पूर्व सांसद वीरांगना स्वर्गीय फूलन देवी की जयंती के अवसर पर सरोज यादव उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया।इस मौके पर उनको याद करते हुए उन्होंने कहा कि विरांगना फूलन देवी जी ने समाज को जागरूक करते हुए अन्याय के खिलाफ मोर्चा खोला,श्रद्धेय नेता जी ने सांसद बनाकर विरांगना फूलन देवी को देश की सबसे बड़ी पंचायत में बैठाकर,सम्मान बढ़ाया।सांसद फूलन देवी सपा के संरक्षक मुलायम सिंह यादव के संरक्षण में समाज की मुख्य धारा में जुड़कर सपा के टिकट पर सांसद बनीं। उन्होंने समाज को जागरूक करने के लिए अन्याय खिलाफ मोर्चा खोला स्वर्गीय फूलन देवी ने समाज की बुराइयों से लड़कर मिर्जापुर से संसद तक का सफर तय किया। उन्होंने कहा कि आज समाजवादी पार्टी ही ऐसी पार्टी है जो गरीब दलित पिछड़े और अल्पसंख्यक की लड़ाई को लड़ रही है,और हमेशा लड़ेगी।

बांग्लादेश में हुए तख्ता पलट व उपद्रव में मारे गए हिंदुओ को दी गई श्रद्धांजलि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पड़ोसी मुल्क बंगलादेश में सत्ता पलट के बाद हुए उपद्रव भगदड़, आगजनी में वहा हिंदुओ अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। वहां की जनता उपद्रवियों का समर्थन करती है और हिंदुओ को खोज खोज मार रही है, मारने का तरीका भी बड़ा भीभत्स है, देखकर सुनकर रोंगटे खड़े हो रहे है, उनके दुकान कारोबार को जला दिया गया। कितने हिंदुओ का कत्ल हुआ है इसका आंकड़ा अभी ठीक ठीक सामने नहीं है। इस प्रकार की गई हत्या से भारत के हिंदुओ में भी संवेदना , गुस्सा और आक्रोश है।

इसी परिप्रेक्ष में अखिल भारत हिंदू महासभा जौनपुर के जिलाध्यक्ष दया शंकर निगम के नेतृत्व सैकड़ो हिंदुओं ने शुक्रवार के देर शाम खरका तिराहा स्थिति गांधी प्रतिमा के समक्ष उपस्थित होकर अपने गम और गुस्से का इजहार किया। साथ ही उपस्थित लोगो ने मोमबत्ती जलाकर बंगलादेश में मृत हिंदुओ को श्रद्धांजलि दी तथा उनके आत्म की शांति के लिए प्रार्थना किया। तथा भारत सरकार से मांग किया कि वहां के अंतरिम सरकार से बात कर शेष हिंदुओ के सुरक्षा सुनिशित की जाय। इस अवसर पर राकेश श्रीवास्तव, श्याम रतन श्रीवास्तव, शशि श्रीवास्तव गुड्डू, मनोज श्रीवास्तव, संजय अस्थाना, राजेश श्रीवास्तव बच्चा, कृष्ण कुमार जायसवाल, प्रमोद कुमार सिहं मनोज कुमार जायसवाल, संतोष गुप्ता, प्रशांत विक्रम सिंह, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव,जनार्दन यादव, पंकज श्रीवास्तव हैप्पी, शरद श्रीवास्तव, ब्रह्म कुमार निगम, अशोक यादव, संतोष यादव, संतोष श्रीवास्तवआदि लोग उपस्थित थे।

शीघ्र ही ध्वस्त होगे जर्जर अवस्था में तब्दील 213 परिषदीय विद्यालय

अयोध्या। जिले मे 213 जर्जर अवस्था में तब्दील परिषदीय विद्यालयों को जिलाधिकारी की अनुमति के बाद ध्वस्तीकरण करने का निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को पत्र के माध्यम से दिया है। बताते चलें परिषदीय विद्यालयों में कुछ ऐसे भी जर्जर अवस्था में तब्दील हो चुके हैं जिनका निर्माण 300 वर्ष पूर्व हुआ था।यह जानकारी देते हुए बीएसए कार्यालय में जिला समन्वयक ने बताया कि जर्जर अवस्था में तब्दील परिषदीय विद्यालयों के ध्वस्तीकरण की यह कार्रवाई 1 अगस्त 2024 के जिलाधिकारी द्वारा की गई अनुमति पर की जा रही है। उन्होंने बताया कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सबसे अधिक रुदौली विकास खण्ड में 33 जर्जर अवस्था में तब्दील परिषदीय विद्यालयों पर होगी।इसके अलावा मिल्कीपुर विकास खण्ड में सबसे कम जर्जर अवस्था में तब्दील 4 परिषदीय विद्यालयो पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जायेगी।उन्होंने बताया कि इसके अलावा मसौधा विकास खण्ड में 26, सोहावल विकास खण्ड में 12,मया विकास खण्ड में 15,तारुन विकास खण्ड में 28, हरिंगटनगंज विकास खंड में 19,मवई विकास खण्ड में 18, अमानीगंज विकास खंड में 15, पूरा विकास खण्ड में 18, नगर क्षेत्र में मे 8 व बीकापुर विकास खण्ड में कुल 16 ऐसे जर्जर अवस्था में परिषदीय विद्यालयों को चिन्हित किया गया है जिसे ध्वस्तीकरण करना है। यह कार्रवाई इस लिए की जा सकती रही है कि इसमे कई परिषदीय विद्यालय वर्षों पुराने है जो कभी भी गिर सकते हैं।अगर देखा जाए तो नगर क्षेत्र में कोतवाली नगर के समीप स्थित कम्पोजिट स्कूल बहुत ही पुराना है।जिसका निर्माण आज से 307 वर्ष पूर्व 1717 में हुआ था। उन्होंने बताया कि नगर क्षेत्र में स्थित अधिकतर विद्यालय काफी जर्जर अवस्था में है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के विद्यालय काफी पुराने व जर्जर अवस्था में तब्दील हो चुके हैं।जिसको ध्वस्तीकरण करने का निर्णय जिलाधिकारी ने बीएसए को दिये है।इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय ने सभी विकास खण्डों के खण्ड शिक्षा अधिकारियों को अपने क्षेत्रों में चिह्नित किए गए जर्जर अवस्था में तब्दील परिषदीय विद्यालयों को ध्वस्त करने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम सिसोदिया की बेल पर आप ने मनाया जश्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को सर्वोच्च न्यायालय सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल है। पार्टी के लोग एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर कर रहे हैं। इसी संदर्भ में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारी एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं।

जिलाध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह मुन्ना के अध्यक्षता में पार्टी के समस्त कार्यकर्ता जनपद के अंबेडकर तिराहा पर स्थित भीम राव अम्बेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर किए।

उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शामिल हुए पार्टी के जिला कोषाध्यक्ष डॉ दिवाकर मौर्य, निवर्तमान जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी, जिला उपाध्यक्ष रिजवान अहमद, यूथ विंग प्रदेश उपाध्यक्ष आशुतोष मौर्या, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, जिला कार्यकारिणी सदस्य सशीधर चौहान, जिला कार्यकारी सदस्य श्याम लाल पटेल, यूथ विंग जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार, किसान प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अमर बहादुर, आदित्य कुमार, शशि सोनी, नगर अध्यक्ष विशाल यादव, ब्लै के जिला अध्यक्षअरविन्द यादव, नगर अध्यक्ष इस्लाम खान, मो. साजिद, विनोद यादव इत्यादि कार्यकर्ता शामिल हुए। उक्त जानकारी पार्टी के निवर्तमान जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी ने दिया। आदि लोग शामिल है

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह मुन्ना ने कहा कि दिल्ली के लोकप्रिय शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को माननीय सर्वोच्च न्यायालय सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने पर हम सभी बहुत खुश हैं और आज बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी के द्वारा बनाए गए संविधान की जीत हुई है और हमें विश्वास है हम सभी के लोकप्रिय दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी जल्द बाहर होंगे।

भूमि संबंधी विवादों के निस्तारण के लिए गांवों का स्थलीय निरीक्षण करें – जिलाधिकारी

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)आज थाना अतरौली में आहूत थाना समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने उपस्थित कानूनगो एवं लेखपालों से कहा कि भूमि संबंधी विवादों के निस्तारण के लिए गांवों का स्थलीय निरीक्षण करें और गांव चौपाल लगाकर दोनों पक्षों के समक्ष उक्त विवाद को आपसी सुलह–समझौते के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि सरकारी एवं गरीबों की भूमि पर अवैध कब्जों की शिकायतों से गम्भीरता लेते हुए पुलिस कार्मिकों की संयुक्त टीम के साथ अवैध कब्जों की पैमाईश करें और अवैध कब्जा करने वालों के विरूद्व तत्काल एफआईआर दर्ज कर मुकदमा कायम करायें। जिलाधिकारी ने गांवों में ग्राम चौपाल आदि कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बतायें और गांव के सबसे नीचले पायदान के गरीब पात्र लोगों को आवास, शौचालय, राशन कार्ड, स्वास्थ्य कार्ड एवं रोजगार परक योजनाआ का लाभ दिलायें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने थानाध्यक्ष को निर्देश देते हुए कहा कि राजस्व टीम के समन्वय बनाकर गांवों में भूमि, मकान आदि पर अवैध कब्जों को कब्जा मुक्त कराने में सहयोग करें और शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए क्षेत्र के भूमाफिया, दबंग, अपराधी तथा आराजक तत्वों की गतिविधियों की जानकारी नियमित बीट सिपाहियों एवं चौकीदारों से लें और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस कर्मियों की तैनात करते हुए रात्रि की गस्त बढ़ायें। थाना समाधान दिवस में जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, तहसीलदार, थानाध्यक्ष दिलेश कुमार सिंह एवं कानूनगों, लेखपाल आदि उपस्थित रहें।

समाधान दिवस में एसडीएम–सीओ ने सुनी फरियाद

सुल्तानपुर। समाधान दिवस के दौरान एसडीएम व सीओ ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। समाधान दिवस में आईं तीन शिकायतों में से मौके पर एक का निस्तारण कर दिया गया। एसडीएम ने शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।शनिवार को बल्दीराय थाना परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसडीएम प्रवीण कुमार व सीओ सौरभ सावंत ने क्षेत्र से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। दो राजस्व विभाग और एक पुलिस से संबंधित कुल तीन शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए,जिनमें से मौके पर एक का निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायती पत्रों को संबंधित विभागों को प्रेषित कर दिया गया।

एसडीएम ने निर्देशित करते हुए कहा कि थाना समाधान दिवस के दौरान प्राप्त होने वाली शिकायतों को गंभीरतापूर्वक लें और प्राथमिकता के आधार पर उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके अलावा एसडीएम ने थाना समाधान दिवस के रजिस्टर का अवलोकन कर पूर्व में प्राप्त हुई शिकायतों के निस्तारण की स्थिति को भी परखा। उन्होंने आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इस दौरान थानाध्यक्ष बल्दीराय आरबी सुमन,राजस्व निरीक्षक अब्दुल हमीद व सभी लेखपाल आदि मौजूद रहे।

बाबा जनवारी नाथ धाम का होगा निरंतर विकास – विधायक सीताराम'

सुल्तानपुर। जिले के प्रसिद्ध शिव धाम बाबा जनवारी नाथ धाम के विकास के लिए पूरा प्रयास किया जा रहा है ताकि, इससे यहां पहुँचने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन पूजन व आवागमन में सहूलियत मिल सके। प्रदेश सरकार के साथ जल्द ही केन्द्र सरकार से धाम के विकास हेतु करोड़ों रुपए का बजट जल्द मिल सकेगा भाजपा विधायक सीताराम वर्मा ने सैतापुर सराय स्थित बाबा जनवारी नाथ धाम परिसर में भूमि पूजन के बाद आयोजित समारोह में उपस्थित शिवभक्तों से यह बातें कहीं। उन्होंने बताया कि 99.56 लाख रुपये से विकास कार्य कराया जाएगा। इससे यात्री हाल,टॉयलेट ब्लॉक, इंटरलॉकिंग, चहारदीवारी व हाईमास्ट का निर्माण कराया जाएगा। इससे श्रद्धालुओं को सुविधा मिलने लगेगी। उन्होंने बताया कि जल्दी ही केंद्रीय पर्यटन मंत्री से मिलकर उनसे भी धाम के विकास की मांग की गई है। पर्यटन मंत्री कार्यालय से इसका सकारात्मक जवाब मिला है।उम्मीद है कि धाम जल्दी ही और बेहतर हो सकेगा इसके पहले विधायक ने समर्थकों संग गर्भगृह में बाबा जनवारी नाथ का दर्शन–पूजन किया।आचार्य पं रवि शंकर शुक्ल,पं राहुल तिवारी,पं प्रमोद योगी,पं सौरभ मिश्र की टीम ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन कराया। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि महेन्द्र सिंह,भाजपा नेता इंद्रदेव मिश्र,जगदीश चौरसिया,वीरेन्द्र सिंह,देवी प्रसाद सिंह,दिनेश सिंह,ईसुरेन्द्र बहादुर सिंह,प्रमोद मिश्र,रमाशंकर मिश्र,रमेश बरनवाल,शुभम,शिवम आदि मौजूद रहे। ट्रस्ट के अध्यक्ष रणबीर सिंह ने भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी रामचंद्र मिश्रा के साथ ही साथ आये हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया।

अधिवक्ता कनिष्क मेहरोत्रा हत्याकांड का शूटर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार हुआ

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) कोतवाली शहर के कनिष्क मेहरोत्रा हत्याकांड से संबंधित वांछित 25,000ध रुपये का पुरस्कार घोषित इनामिया अभियुक्त रामसेवक उर्फ लल्ला को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता कनिष्क मेहरोत्रा चर्चित हत्याकांड का शूटर लल्ला महावत को पुलिस मुठभेड़ में शुक्रवार देर रात गोली मारी गई।इस पर 25 हजार का पुलिस ने इनाम रखा था। एसपी नीरज कुमार जादौन ने बताया कि कोतवाली शहर, टड़ियावां पुलिस, स्वाट टीम, एसओजी व सर्विलांस टीम द्वारा पुलिस मुठभेड़ में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। कोतवाली शहर पर पंजीकृत मुकदमा 486/24 धारा 61(2)/103(1) से संबंधित वांछित 25,000/– रुपये का पुरस्कार घोषित इनामिया अभियुक्त रामसेवक उर्फ लल्ला को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया।

यहाँ उल्लेखनीय है कि 30 जुलाई 2024 को अधिवक्ता कनिष्क मेहरोत्रा के घर में बने चेंबर में अज्ञात शूटरों द्वारा गोली मारकर उनकी हत्या कर देने के मामले में फरार चल रहे 25 हजार के इनामी बदमाश और वारदात के मुख्य शूटर लल्ला महावत को पुलिस ने घटना के दस दिन बाद शुक्रवार देर रात एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया । पुलिस और शातिर बदमाश के बीच हुई कई राउंड फायरिंग में बदमाश के पैर में पुलिस की गोली लगी है। पुलिस की गोली लगने से घायल मुख्य शूटर को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

सपा नेता अमित कुमार यादव, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के लखनऊ महानगर अध्यक्ष मनोनीत

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति से एवं प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की संस्तुति से अमित कुमार यादव को मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड लखनऊ का महानगर अध्यक्ष नामित किया गया। महानगर में मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड समाजवादी पार्टी से बड़ी संख्या में युवा जुड़ सकेगा।

पार्टी संविधान के अनुसार महानगर कमेटी गठित कर अनुमोदन हेतु 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत करना होगा।साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि नामित किये जाने वाले पदाधिकारी,सदस्य अवश्य हों। महानगर अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर मुन्नू खेड़ा आवास विकास कॉलोनी सहित पारा क्षेत्र में लोगों ने खुशी जाहिर की।

सिख समाज ने की मांग हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए मुक्तिवाहिनी भेजी जाए

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। बांग्लादेश में हाल में हुए तख्तापलट के बाद उत्पन्न हुई हिंदुओं के प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए भारत सरकार को बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा के लिए जल्द से जल्द हस्तक्षेप करना चाहिए। इस दिशा में आवश्यक हो तो मुक्तिवाहिनी की तरह बांग्लादेश में सेना भेजी जाए। लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बग्गा, महामंत्री हरपाल सिंह जग्गी और प्रवक्ता सतपाल सिंह मीत ने शनिवार को यह संयुक्त बयान जारी किया। उनके अनुसार भारतीय सेना

इस विनाशकारी ज्वलंत समस्या का निस्तारण करने में सक्षम है। हर हाल में बांग्लादेश के हिन्दुओं की सुरक्षा होनी चाहिए। संयुक्त बयान के अनुसार भारत सरकार की ओर से यह सख्त संदेश सारी दुनिया में जाना चाहिए कि जहां भी भारतीय और हिंदू समाज है भारतीय सरकार और सेना उनकी रक्षा के लिए हमेशा तत्पर है। इस कार्य में भारत का प्रत्येक नागरिक भारत सरकार और बांग्लादेशी हिंदुओं के साथ खड़ा है। इतिहास गवाह है कि सिख समाज के गुरु हरगोबिंद साहिब जी से लेकर गुरु गोबिंद सिंह और उनके बाद, बंदा सिंह बहादुर जी ने भी ऐसे कट्टरवादियों जो धर्म के नाम पर हत्या और अत्याचार करते है, का सफाया किया था। सेना के अतिरिक्त सिख समाज आवाहन करता है कि हर सिख अपना धर्म समझते हुए आज भी इन कट्टरपंथियों से लड़ने के लिए अपने प्राणों को न्योछावर करने के लिए तत्पर है।

दर्दनाक हादसा...डग्गेमार बस ने रौंदे छात्र, एक की मौत

आगरा, संवाददाता। आगरा के बाह क्षेत्र में फतेहाबाद मार्ग पर शुक्रवार दोपहर डग्गेमार बस ने पढ़कर साइकिल से लौट रहे छात्रों को रौंद दिया। हादसे में एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन बच्चों के घायल होने की सूचना है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर छात्रों के परिजन भी आ गए। आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जाम लगाकर हंगामा करना शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। बाह फतेहाबाद मार्ग पर बाबा की तिबरिया पर ये हादसा हुआ। बताया गया है साइकिल से स्कूल के बच्चे घर आ रहे थे। इसी दौरान डग्गेमार बस ने अनियंत्रित होते हुए इन छात्रों को चपेट में ले लिया। बस इन बच्चों को रौंदते हुए खाई में जाकर पलट गई। हादसे में एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई।

गबन के मामले में एडीओ पंचायत निलंबित, होगी रिकवरी

सहारनपुर, संवाददाता। ग्राम्य विकास आयुक्त ने एडीओ पंचायत प्रमोद कुमार को निलंबित कर दिया है। इन पर विकास कार्यों की धनराशि गबन करने का आरोप है। मंडलायुक्त ने समिति बनाकर जांच कराई थी, जिसमें प्रमोद कुमार दोषी पाए गए थे। एडीओ पंचायत पर निलंबन की कार्रवाई से विभाग में खलबली मची है। दरअसल, मामला 2021 में हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का है। ग्राम पंचायतों में प्रधानों का कार्यकाल खत्म होने के बाद तीन माह के लिए प्रशासक के तौर पर एडीओ, ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत अधिकारियों को प्रशासक नियुक्त किया गया था। गंगोह निवासी एक व्यक्ति ने मंडलायुक्त के यहां शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया था कि 98 ग्राम पंचायतों में प्रशासकों ने विकास कार्य के नाम पर आठ करोड़ रुपये का गबन किया है। इस पर मंडलायुक्त ने संयुक्त विकास आयुक्त की अध्यक्षता में समिति बनाई और जांच के आदेश दिए।

समिति ने विकास कार्यों से संबंधित अभिलेख मंगवाए गए, लेकिन अधिकारियों ने दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए। इनको नोटिस भी भेजे गए थे। जांच अधिकारी ने रिपोर्ट मंडलायुक्त को सौंपी, जिसमें सभी आरोपी दोषी पाए गए। इसकी सूचना प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास व आयुक्त ग्राम्य विकास को भेजी गई। अब इस मामले में ग्राम विकास आयुक्त ने एडीओ पंचायत प्रमोद को दोषी मानते हुए निलंबित कर दिया है। वहीं सात आरोपी ग्राम सचिवों की वेतन वृद्धि रोकी गई है। इनसे भी रिकवरी होनी है। उधर, जिला विकास अधिकारी सतेंद्र कुमार का कहना है कि शासन की ओर से कराई गई जांच के बाद एडीओ पंचायत पर लगे आरोप सही पाए गए। इसी आधार पर उन्हें निलंबित किया गया है।

लटकी कार्रवाई की तलवार

ग्राम पंचायत अधिकारी नीटू कुमार, योगेंद्र, विक्रांत, अमित कुमार, आकाश तोमर, विवेक कुमार, ग्राम विकास अधिकारी जितेंद्र, विकास, किरत सिंह, रविंद्र, प्रदीप, दीपक कुमार और जय प्रकाश पर भी कार्रवाई की तलवार लटक गई है।

संक्षिप्त खबरें

पति ने फोन कर दूसरी पत्नी को दिया तीन तलाक

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में महिला ने फोनकर तीन तलाक देने का आरोप लगा बाबूपुरवा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मुंशीपुरवा निवासी सन्नो ने बताया कि उनका निकाह पांच अगस्त 2018 को सकेरा इस्टेट अनवरगंज निवासी मोहम्मद युसुफ के साथ हुआ था। बताया कि शेरा नाम के युवक ने बताया था कि उसकी बहन की मौत हो गई है, बच्चों की देखभाल करनी है। इस पर उसने युसुफ से निकाह कर लिया। शादी के बाद पति युसुफ कुवैत चले गए। 11 जुलाई 2023 को लौट कर आए और सप्ताह भर रुकने के बाद फतेहपुर खागा स्थित गांव चले गए। सन्नो ने बताया कि इस दौरान साकिरा बेगम नाम की महिला अपने बेटे रजा के साथ घर आई और खुद को पति की पहली पत्नी बताते हुए मारपीट की। पति से शिकायत की, तो उन्होंने फोन पर ही 28 अप्रैल 2024 को तीन तलाक दे दिया। बाबूपुरवा थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

गैरेज में घुसा तेज रफ्तार ट्रैक्टर, छह लोग जख्मी

कानपुर, संवाददाता। अतर्रा रोड स्थित गैरेज में शाम को तेज रफ्तार ट्रैक्टर जा घुसा। हादसे में छह लोग जख्मी हो गए। वहां खड़ी चार बाइकें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। लोगों ने निजी वाहनों से घायलों को सीएचसी पहुंचाया। वहां से दो लोगों की हालत गंभीर होने पर रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया है। अतर्रा की ओर से आ रहा तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर अतर्रा रोड स्थित लल्ला कुशवाहा की गैरेज में जा घुसा। इस हादसे में गुलाब (22) निवासी देविन रोड कस्बा नरैनी, किशन (25), लल्लू (40) व होरीलाल (38) निवासी राजापुर कोतवाली नरैनी, लवलेश (19), बद्री प्रसाद (50) निवासी नरैनी घायल हो गए। घटनास्थल पर चीख–पुकार मच गई। गैरेज में खड़ी चार मोटर साइकिलें ट्रैक्टर–ट्राली के नीचे दबकर क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे लोगों की मदद से निजी वाहनों से घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया। गंभीर रूप से जख्मी गुलाब और किशन को मेडिकल कालेज बांदा रेफर किया गया है। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से भाग निकला। कोतवाली प्रभारी सुरेश सैनी ने कहा कि चालक की तलाश की जा रही है।

बेसमेंट बनाने पर 25 को दिए नोटिस

शामली, संवाददाता। दिल्ली के बेसमेंट में हुई घटना के बाद शामली में प्राधिकरण की टीम ने जनपद में चेकिंग अभियान चलाते हुए 25 को नोटिस दिए हैं।

दिल्ली की घटना को लेकर जनपद में प्राधिकरण के जेई अमरीश चौहान ने टीम के साथ शहर में बने बेसमेंट में चल रहे संस्थानों में चेकिंग अभियान चलाया। जिसमें चेकिंग के दौरान ऐसे 25 कोचिंग सेंटर, कंप्यूटर सेंटर व लाइब्रेरी मिली। इसके साथ ही सहारनपुर तिराहे पर कॉलोनी में चल रहे बेसमेंट कार्य के कारण कॉलोनी के मालिक व अन्य सभी संस्थानों को भी नोटिस जारी करते हुए बंद करने के निर्देश दिए। वहीं थानाभवन में भी ईओ जितेंद्र राणा ने शासन के निर्देशों के चलते कस्बे में बने बेसमेंट का चिन्हीकरण कराया। ईओ ने बताया कि चिन्हीकरण का कार्य पूरा होते ही कार्रवाई की जाएगी।

उत्पीड़न के विरोध में काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन

बांदा, संवाददाता। आपूर्ति निरीक्षकों के विरुद्ध विभागीय उत्पीड़न किए जाने के मामले में प्रदेश संगठन के आह्वान पर पूर्ति निरीक्षकों व कर्मचारियों ने गुरुवार को कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर नारेबाजी की। काली पट्टी बांधकर कामकाज किया।

गुरुवार को सदर तहसील में पूर्ति निरीक्षक प्रशांत कुमार के नेतृत्व में कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया। बताया कि हरदोई जनपद में दो आपूर्ति निरीक्षकों के विरुद्ध विभाग द्वारा उत्पीड़न किया जा रहा है। उनके विरुद्ध विभाग ने फर्जी मुकदमा दर्ज कराया है। इसी प्रकार हमीरपुर में भी दो पूर्ति निरीक्षकों को बिना किसी कारण के प्रतिकूल प्रविष्टि देते हुए वेतन रोक दिया गया है। कहा कि विभाग द्वारा न तो वाहन दिए जा रहे हैं और न ही ऑपरेटर, इंटरनेट की सुविधा व लैपटॉप। बावजूद इसके विभागीय कर्मियों को परेशान किया जा रहा है। कहा कि उत्पीड़नात्मक कार्रवाई में अंकुश न लगा तो प्रदेश संगठन के आह्वान पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर एआरओ ब्रजेंद्र कुमार, पूर्ति निरीक्षक साक्षी मिश्रा, विभोर वर्मा आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

ठेड़छाड़ को लेकर मंडावर गांव में मां–बेटी पर हमला, फायरिंग

शामली, संवाददाता। गांव मंडावर में बृहस्पतिवार की देर शाम युवती के साथ छेड़छाड़ का विरोध करने पर मां बेटी लाठी डंडों से हमला किया गया। इस दौरान हमलावरों द्वारा हवाई फायरिंग भी की। सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। देर शाम एक युवती घर से बाहर गली में कूड़ा डालने गई थी। आरोप है कि एक युवक ने युवती के साथ छेड़खानी की। विरोध करने पर मारपीट भी की गई। युवती ने अपने घर पहुंच कर घटना के बारे में बताया। इसके बाद युवती का पिता और भाई आरोपियों के घर उलाहना देने गए। इसके बाद आरोपियों ने युवती के भाई और पिता के साथ भी मारपीट की।

सड़क किनारे खड़े कंटेनर के पीछे घुसी डीसीएम, पांच की मौत...परिजनों में हड़कंप

कन्नौज, संवाददाता। कन्नौज जिले में सड़क किनारे खड़े कंटेनर में पीछे से आ रही डीसीएम घुस गई। हादसे में डीसीएम सवार चार लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। घायल को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने हादसे में दम तोड़ने वाले तीन लोगों की शिनाख्त कर ली है और चौथे की शिनाख्त का प्रयास कर रही है। गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के जुनेदपुर कट के एक ढाबे के निकट शुक्रवार सुबह सड़क किनारे खड़े कंटेनर में दिल्ली से आ रही डीसीएम पीछे से घुस गई। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से डीसीएम में सवार लोगों को बाहर निकाला, जिसमें चार लोगों की मौत हो चुकी थी और एक घायल था। घायल को पुलिस ने एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी भी मौत हो गई। मृतकों के पास मिले कागजात के आधार पर पुलिस ने तीन की शिनाख्त की।

शवों को पोस्टमार्टम हाउस के शवगृह में रखवाया

पुलिस ने बताया कि हादसे में दम तोड़ने वालों में जौनपुर के मछली शहर के मैथिली मथुरा निवासी पवन कुमार (34) पुत्र लालजी, अमेठी के शहर कोतवाली के रमईपुर निवासी सोनू शर्मा (25), अमेठी के शाहगंज थाना क्षेत्र के दुलारपुर निवासी प्रशांत कुमार सिंह (23) पुत्र पवन सिंह हैं। चौथे मृतक और घायल की अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। हादसे की जानकारी मृतकों के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम हाउस के शवगृह में रखवा दिया है।

फीनिक्स यूनाइटेड में द बिग फ्रीडम सेल के साथ आजादी का जश्न, ढेरों ऑफर्स और गिफ्ट्स पाने का मौका

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। फीनिक्स यूनाइटेड आलमबाग स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने शॉपर्स के लिए एक विशेष श्द बिग फ्रीडम सेलश का आयोजन कर रहा है। यह सेल 9 अगस्त से शुरू हो चुकी है और 25 अगस्त, 2024 तक चलेगी, जिसमें टॉप ब्रांड्स पर 60: तक की छूट के साथ–साथ आकर्षक गिफ्ट्स जीतने का मौका भी मिलेगा। इस सेल के माध्यम से फीनिक्स यूनाइटेड आलमबाग अपने ग्राहकों के लिए स्वतंत्रता दिवस का जश्न और भी खास बनाने का अवसर दे रहा है। इस सेल की मुख्य विशेषताओं में वीकडेज (सोमवार से गुरुवार) के दौरान रू4,999/– या उससे अधिक की खरीदारी पर गिफ्ट्स जीतने का मौका शामिल है। वहीं, वीकेंड्स (शुक्रवार से रविवार) के दौरान रू6,999/– या उससे अधिक की खरीदारी पर भी गिफ्ट्स पाने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त, जो ग्राहक रू14,999/– या उससे अधिक की खरीदारी करेंगे, उन्हें रॉयल एनफील्ड हंटर 350 जीतने के लिए लकी ड्रा में भाग लेने का मौका भी मिलेगा। द बिग फ्रीडम सेल के बारे में बात करते हुए श्री संजीव सरीन, सीनियर सेंटर डायरेक्टर, फीनिक्स मिल्स ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारे देश के इतिहास का एक महत्वपूर्ण दिन है और इस अवसर पर वे अपने ग्राहकों को श्द बिग फ्रीडम सेलश के माध्यम से विशेष अनुभव प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं। वे चाहते हैं कि उनके ग्राहक न सिर्फ खरीदारी करें, बल्कि इस स्वतंत्रता सप्ताह को भी मनाएं और इसे यादगार बनाएं। फीनिक्स यूनाइटेड आलमबाग में इस स्वतंत्रता दिवस के खास जश्न का हिस्सा बनें, जहां ढेर सारे ऑफर्स और गिफ्ट्स आपका इंतजार कर रहे हैं।

सवारियों को दिल्ली ले जा रही ईको गड्ढे में पलटी, एक वृद्ध की मौत, चार घायल

अलीगढ़, संवाददाता। अलीगढ़ में थाना छर्रा अंतर्गत छर्रा–अतरौली मार्ग स्थित गुप्ता मोड़ के निकट सवारियों को लेकर दिल्ली जा रही ईको गाड़ी 9 अगस्त की प्रातरू बाइक सवार को बचाने के चक्कर में गड्ढे में पलट गई। गाड़ी पलटने से वृद्ध की मौत और चार युवक घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेजा है और घायलों को छर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भिजवाया। वहां घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए अलीगढ़ के जेएन मेडिकल के लिए रेफर कर दिए गए। गांव भमोरी बुजुर्ग निवासी 60 वर्षीय होडिल सिंह पुत्र हरपाल सिंह, सनी पुत्र चमन, रामरतन पुत्र गेंदालाल, आदिल पुत्र अनीश निवासी कस्बा छर्रा एवं भूप सिंह पुत्र मेवाराम निवासी नगला खेरसा गांव से मजूदरी करने प्रातः छह बजे दिल्ली के लिए ईको गाड़ी से जा रहे थे। छर्रा–अतरौली मार्ग स्थित गुप्ता मोड़ के निकट सामने से आ रहे बाइक सवार को बचाने के चक्कर में ईको गाड़ी पलट कर गड्ढे में गिर गई। हादसे में होडिल सिंह की मौके पर मौत हो गई, जबकि चारों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए । सूचना पर कोतवाली निरीक्षक बालेन्द्र सिंह मय पुलिस बल के घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चारों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजा। जहां से सभी को जेएन मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया।

रोडवेज बसों के अभाव में ईको से जाती हैं सवारियां दिल्ली

ग्रामीणों ने दिल्ली जाने के लिए प्रातरू रोडवेज बसों की मांग पहले कई बार की। साथ परिवहन मंत्रालय को प्रार्थना पत्र दिया, जिसमें रोडवेज बस स्टैंड एवं रोडवज बसों के संचालन की प्रार्थना की गई। विभाग ने इस ओर ध्यान नहीं दे रहा, जिसके कारण प्राइवेट बस एवं ईको संचालक सवारियों को दिल्ली तक लेकर जा रहे हैं। प्रातः पांच बजे ईको संचालक गांव–गांव से सवारियों को लेकर प्रतिदिन दिल्ली जाते हैं।

किसानों ने निकाली ट्रैक्टर तिरंगा रैली

हाथरस, संवाददाता। किसानों द्वारा दिल्ली चलो आंदोलन के तहत दिल्ली में लिखे गए मुकदमा के विरोध में भारतीय किसान यूनियन कार्यकर्ताओं ने हाथरस के सासनी, सिकंदराराऊ और अलीगढ़ में ट्रैक्टर तिरंगा रैली निकालीं। पुलिस ने रैली रोकने की कोशिश की, जिसके कारण नोकझोंक हुई। हाथरस के सिकन्दराराऊ और सासनी में तिरंगा ट्रैक्टर रैली निकाल रहे भाकियू कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका। रैली रोकने को लेकर किसानों से पुलिस से नोकझोंक हुई। प्रशासन का कहना है कि कांवड़ यात्रा के कारण सड़क पर रैली संभव नहीं है। सिकन्दराराऊ में पुलिस के रोकने पर मंडी समिति के सामने कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए। इस दौरान भी नोकझोंक हुई। सासनी में भी पुलिस–प्रशासन ने तिरंगा ट्रैक्टर रैली नहीं निकलने दी। एसडीएम ने गांव पहुंच कर ज्ञापन लिया। अलीगढ़ में ट्रैक्टर मार्च निकाल कर किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे, वहां पर प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सोंपा।

सास–बहू की झगड़े से तंग आ चुका हूं, बुजुर्ग ने फंदे से लटककर दी जान

कानपुर, संवाददाता। रोज–रोज के झगड़े से मैं अब ऊब चूका हूं, मेरी मौत का जिम्मेदार मैं खुद हूं। किसी को गलत न फंसाया जा। ये सुसाइड नोट लिखकर गुरु का पुरवा निवासी गोरेलाल (60) ने फंदे से लटक कर जान दे दी। उनका शव गांव के बाहर जामुन के पेड़ में फंदे के सहारे लटकता मिला। पुलिस सुसाइड नोट का कब्जे में लेकर मामले की जांच कर रही है। गुरु का पुरवा निवासी गोरेलाल सविता हलवाई का काम करते थे। परिवार में पत्नी मुन्नी देवी और तीन बेटे एक बेटी हैं। बेटों और बेटी की शादी हो चुकी है। तीनों बेटों के परिवार और बुजुर्ग दंपत्ति एक ही मकान में साथ रहते थे। गुरुवार रात भी घरेलू बातों को लेकर सास और बहुओं के बीच विवाद हो गया। जिस पर गोरेलाल ने सभी को समझाने का प्रयास किया, लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं सुनी। इससे नाराज होकर वह साइकिल लेकर घर निकल गए। पूरी रात घर न आने पर पत्नी उनकी गांव में तलाश कर रही थी। तभी ग्रामीणों से गांव के बाहर जामुन के पेड़ से अंगौछे के सहारे फंदे पर गोरेलाल का शव लटका होने की जानकारी दी। उनकी साइकिल भी जामुन के पेड़ से टिकी हुई खड़ी थी। कंट्रोल रूम की सूचना पर फोरेंसिक टीम के साथ पुलिस पहुंची।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई

टीम ने परिजनों की मदद से शव को फंदे से उतारकर कर कार्रवाई शुरू की। जांच के दौरान बुजुर्ग की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है। पति का शव फंदे पर लटका देख पत्नी मुन्नी बेहोश होकर गिर पड़ी। बिधनू इंस्पेक्टर जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में परिवार में गृह कलह की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार कार्रवाई की जाएगी।

45 लाख के एंगल से लदा ट्रक बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

अलीगढ़, संवाददाता। इगलास कोतवाली पुलिस ने 7 अगस्त देर रात लूट गए एंगल लदे ट्रक को बरामद कर साढ़े पांच घंटे बाद ही घटना का खुलासा कर दिया है। आरोपियों की निशानदेही ट्रक, उसमें लदा 45 लाख रुपये की कीमत का 35 टन एंगल और लूट में प्रयुक्त ईको कार को जब्त कर लिया है। कोतवाल देवेंद्र कुमार ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों ने अपने नाम संजू पुत्र सुरेश चंद्र, करन उर्फ काली पुत्र एलम सिंह व पंकज पुत्र सुभाष निवासीगण नगला गजू थाना राया जनपद मथुरा बताए हैं।

दस टायरा ट्रक का चालक जुगेंद्र सिंह निवासी डाबर रोड चंडौस जनपद अलीगढ़, लक्ष्मी एलायज प्रा. लिमिटेड (फर्नेश फैक्टरी) नगला जार इगलास से 15 टन एंगल लाद कर आगरा जा रहा था। रात तीन बजे के लगभग इगलास–हाथरस रोड पर स्थित गांव

हरिरामपुर के समीप ईको कार को आगे लगाकर ट्रक को रोक लिया गया। एक लुटेरे ने ट्रक चालक पर तमंचा तान कर उसे नीचे उतार दिया। ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। चालक को हाथरस रोड पर जंगल में छोड़ दिया। चालक ने लूट की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही इगलास कोतवाल, निरीक्षक कोमल सिंह, एसआई केपी सिंह घटना के अनावरण में लग गए थे, तब ही अचानक चालक द्वारा बताई गई ईको कार दिखी। तोछीगढ़ रजबहा के समीप ईको कार को रोका, उसमें सवार तीन लोगों को सुबह आठ बजे हिरासत में ले लिया। बदमाशों ने लूट की घटना को स्वीकार करने के साथ ही लूटे गए ट्रक को हरिरामपुर के जंगल से बरामद कराया, जिसमें 35 टन एंगल लदा था। बदमाश एंगल बेचने की फिराक में थे। इसकी कीमत लगभग 45 लाख रुपये बताई गई है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।